

प्रेषक,

केशव देसिराजु,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

निदेशक  
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून ।

चिकित्सा अनुभाग-5

देहरादून : दिनांक 03 नवम्बर, 2008

विषय: गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सालय, 2-सी0, प्रीतम रोड, देहरादून की सम्पत्ति कोषपाल  
पूर्त विन्यास उत्तराखण्ड में निहित करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सालय, देहरादून के लिये गठित जिला नेत्र सुरक्षा समिति  
उद्देश्य पूर्ति में सफल न होने के कारण गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सालय, देहरादून द्वारा धृत  
सम्पत्ति को अधिसूचना सं0-697/XXVIII-5-2007-119/2002 दिनांक 04.10.2007 के  
द्वारा पूर्त विन्यास कोषपाल उत्तराखण्ड में निहित कर दी गयी है। गाँधी शताब्दी नेत्र  
चिकित्सालय, देहरादून को राज्य स्तरीय विशिष्ट चिकित्सा केन्द्र के रूप में विकसित करने के  
लिये एक विस्तृत कार्य योजना की अधिसूचना सं0-1310/XXVIII-5-2008-119/2002  
दिनांक 03 नवम्बर, 2008 तैयार की गयी है।

अतः इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि अधिसूचना को दैनिक  
समाचार पत्रों में हिन्दी एवं अंग्रेजी में एक बार प्रकाशित करने का कष्ट करें।

अतः सूचित

भवदीय,

(केशव देसिराजु)  
प्रमुख सचिव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव, मा0 स्वास्थ्य मंत्री, मा0 मंत्रीजी के संज्ञानार्थ।
2. महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, देहरादून।
3. अध्यक्ष / जिलाधिकारी, जिला नेत्र सुरक्षा समिति, देहरादून।
4. सचिव, गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सालय, देहरादून।
5. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
6. सहायक प्रबन्धक, सहकारी समितियां, देहरादून।
7. जिला शासकीय अधिवक्ता (सिविल) देहरादून।
8. मुख्य चिकित्साधिकारी, देहरादून।
9. राजकीय मुद्राणालय, रुड़की को इस आशय से प्रेषित कि असाधारण विधायी परिशिष्ट, भाग-4 खण्ड-क, सरकारी गजट, उत्तराखण्ड में प्रकाशित करने एवं 100 प्रतियां शासन को उपलब्ध कराने हेतु।
- ✓ 10. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

प्रतिपि: 25/05/2008

आज्ञा से

(सुनीलश्री पांथरी)  
उप सचिव

उत्तराखण्ड शासन  
चिकित्सा अनुभाग-5

संख्या-1310/XXVIII-5-2007-119/2002  
देहरादून, दिनांक 03 नवम्बर, 2008

अधिसूचना

उत्तर प्रदेश पूर्त विन्यास (अधिकारों के विस्तार) अधिनियम, 1950 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 20 सन् 1950) (उत्तराखण्ड राज्य में यथाप्रवृत्त) की धारा 4 संपठित पूर्त विन्यास अधिनियम, 1890 (अधिनियम संख्या 6 सन् 1890) की धारा 6 के अनुसरण में राज्यपाल निर्देश दत्त हैं कि गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सालय, 2, सी प्रीतम रोड, देहरादून की ऐसी सम्पत्ति के प्रबन्ध के लिये, जो उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन कोषपाल, पूर्त विन्यास, उत्तराखण्ड में निहित है पूर्त विन्यास अधिनियम, 1890 (अधिनियम संख्या 6 सन् 1890) की धारा 5 के अधीन योजना बना, निम्नलिखित प्रस्ताव उन व्यक्तियों या हितधारियों की, जिन पर इसका प्रभाव पड़ने की सम्भावना है, सूचना के लिये गजट में प्रकाशित किया जाय।

2. प्रस्तावित प्रबन्ध की योजना के सम्बन्ध में सभी आपत्तियों और सुझाव प्रमुख सचिव/ सचिव, उत्तराखण्ड शासन, चिकित्सा अनुभाग-5, सुभाष रोड, देहरादून को सम्बोधित और लिखित रूप में प्रेषित किये जाने चाहिये। केवल उन्हीं आपत्तियों और सुझावों पर विचार किया जायेगा जो दिनांक 15.11.2008 से पूर्व प्राप्त होंगे।

योजना

(1) जिला नेत्र सुरक्षा समिति, देहरादून द्वारा संचालित गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सालय, देहरादून को राज्य स्तरीय विशिष्ट नेत्र चिकित्सा केन्द्र के रूप में विकसित किया जायेगा, जो "महात्मा गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र, देहरादून" कहलायेगा।

(2) जिला नेत्र सुरक्षा समिति, देहरादून द्वारा संचालित गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सालय, देहरादून नामक संस्था के लिये नेत्र सुरक्षा के निमित्त न्यास के रूप में धृत ऐसी सम्पत्ति, जो अधिसूचना संख्या-697/XXVIII-5-2007-119/2002, दिनांक 04 अक्टूबर, 2007 के द्वारा उत्तर प्रदेश पूर्त विन्यास (अधिकारों के विस्तार) अधिनियम, 1950 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 20 सन् 1950) (उत्तराखण्ड राज्य में यथाप्रवृत्त) की धारा 4 संपठित पूर्त विन्यास अधिनियम, 1890 (अधिनियम संख्या 6 सन् 1890) की धारा 4 के अधीन कोषपाल, पूर्त विन्यास, उत्तराखण्ड में निहित है, का प्रबन्ध एक प्रशासक द्वारा किया जायेगा, जो महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून होगा।

(3) प्रशासक को उसके कर्तव्यों के पालन और कृत्यों के निर्वहन में एक कार्यकारी अधिकारी सहायता करेगा, जिसे प्रशासक नामित करेगा और जिसे प्रशासक अपने कर्तव्यों का पालन और कृत्यों का निर्वहन दक्षतापूर्वक करने के लिये अपनी कतिपय या कोई शक्ति प्रत्यायोजित कर सकता है।

(4) एक परामर्शदात्री समिति होगी, जिसका कार्य प्रशासक द्वारा उसे सन्दर्भित किये गये विषयों की जाँच करना और उन विषयों पर प्रशासक को अपनी सलाह देना होगा। उक्त समिति में राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किये जाने वाले निम्नलिखित सदस्य होंगे:-

एक प्रमुख सचिव/सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार

कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड शासन

पदेन अध्यक्ष

दो प्रमुख सचिव/सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून

पदेन सदस्य

तीन परियोजना नेत्र चिकित्सक, दून चिकित्सालय, देहरादून

सदस्य सचिव

चार	डा० राजेन्द्र प्रसाद नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नयी दिल्ली के तीन विभिन्न विधाओं के वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ	सदस्य
पाँच	पी०जी०आई, एम०ई०आर०, चण्डीगढ़ के वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ	सदस्य
छः	जिलाधिकारी, देहरादून	सदस्य
सात	कुंवर वृजभूषण, सदस्य, जिला नेत्र सुरक्षा समिति, देहरादून	सदस्य
आठ	निदेशक, एन०आई०वी०एच० (National Institute of Visually Handicapped), देहरादून	सदस्य
टिप्पणी—	समिति में अन्य गैर सरकारी सदस्य शासन के द्वारा नामित किये जायेंगे।	

(5) प्रशासक, उन आपाती प्रकार के विषयों को छोड़कर, जिन पर तुरन्त कार्यवाही करना आवश्यक हो, सम्पत्ति के प्रबन्ध और उसके शासन से सम्बद्ध महत्वपूर्ण विषयों को सलाह के लिये समिति को सन्दर्भित करेगा।

(6) परामर्श दात्री समिति की सिफारिशों या सलाह पर प्रशासक सम्यक् रूप से विचार कर क्रियान्वयन करायेगा, किन्तु इससे भिन्न स्थिति होने पर अन्तिम निर्णय प्रशासक का होगा।

(7) अध्यक्ष सहित समिति के सदस्य, पदेन सदस्यों को छोड़कर, अन्तिम रूप से बनाई गई योजना के प्रकाशित होने के दिनांक से एक वर्ष की अवधि के लिये पद धारण करेंगे;

परन्तु यह कि एक वर्ष की अवधि व्यतीत होने के पश्चात् भी वे तब तक कार्य करते रहेंगे, जब तक कि राज्य सरकार द्वारा उनके उत्तराधिकारी नियुक्त न कर दिये जायें।

(8) राज्य सरकार को समिति के किसी भी सदस्य, जिसमें अध्यक्ष या सचिव भी सम्मिलित हैं, की सदस्यता को समाप्त करने का अधिकार होगा, किन्तु शर्त यह है कि ऐसी सदस्यता समाप्ति के पूर्व सम्बन्धित सदस्य को प्रस्तावित कार्यवाही के विलुद्ध कारण प्रकट करने का उचित अवसर दिया जायेगा।

(9) समिति की सदस्यता समाप्त होने या उसके किसी सदस्य की मृत्यु होने या त्याग-पत्र देने के कारण समिति की सदस्यता में होने वाली आकरिमक रिक्तियों को राज्य सरकार द्वारा भरा जायेगा।

(10) समिति की कोई भी कार्यवाही केवल इस कारण अवैध न होगी कि समिति की सदस्यता में किसी रिक्ति को भरा नहीं गया है।

(11) समिति की बैठक उतनी बार होगी, जितनी बार आवश्यक हो और तीन महीने में कम से कम एक बार ऐसे दिनांक को और ऐसे स्थान पर, जिसे सचिव, अध्यक्ष के परामर्श नियत करें, अवश्य होगी।

(12) समिति की बैठक प्रमुख सचिव/सचिव द्वारा, उसके सभी सदस्यों को विशेष संदेशवाहक द्वारा या रजिस्टर्ड डाक से 07 दिनों का नोटिस देकर, बुलायी जायेगी। समिति की बैठक की गणपूर्ति के लिये, समिति के पदाधिकारियों सहित, सदस्यों की संख्या तीन होगी, परन्तु यदि गणपूर्ति के न होने के कारण कोई बैठक स्थगित कर दी जाये तो ऐसी स्थगित बैठक के लिये कोई गणपूर्ति अपेक्षित नहीं होगी।

(13) समिति का अध्यक्ष समिति की बैठकों की अध्यक्षता करेगा और उसकी अनुपस्थिति में उपस्थित सदस्य अपने में से एक को बैठक की अध्यक्षता करने के लिये चुनेंगे।

(14) समिति के समक्ष आने वाले समस्त विषय उपस्थित सदस्यों के बहुमत से

निर्णीत किये जायेंगे और मतों के बराबर होने की दशा में बैठक के अध्यक्ष को निर्णायक मत देने का अधिकार होगा।

(15) प्रशासक, महात्मा गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र, देहरादून के दैनिक किया-कलापों के संचालन हेतु एक कार्यकारी समिति गठित कर सकता है। उक्त समिति के द्वारा विभिन्न स्रोतों से प्राप्त निवेश के रूप में धृत, गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र के विकास कार्यों का अनुश्रवण, निरीक्षण किया जायेगा। इसके सदस्यों की संख्या एवं कार्यकाल की अवधारणा प्रशासक द्वारा की जायेगी। कार्यकारी समिति निम्न प्रकार गठित की जा सकती है:-

एक	महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, देहरादून	अध्यक्ष
दो	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, दून चिकित्सालय, देहरादून	सदस्य सचिव
तीन	मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून	सदस्य
चार	महादिनेशक द्वारा नामित देहरादून में कार्यरत प्रान्तीय चिकित्सा सेवा का वरिष्ठतम नेत्र विशेषज्ञ	सदस्य
पाँच	श्री विपिन नागलिया, प्रतिनिधि जिला नेत्र सुरक्षा समिति, 13-त्यागी रोड, देहरादून	सदस्य

(16) कोषपाल, पूर्त विन्यास, उत्तराखण्ड, उपर्युक्त सम्पत्ति की, जो उसमें निहित है, आय प्रशासक को भेज देगा।

(17) प्रशासक द्वारा प्राप्त समस्त धनराशि देहरादून में किसी राष्ट्रीयकृत बैंक की शाखा में महात्मा गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र, देहरादून के नाम जमा की जायेगी और नेत्र सुरक्षा की अभिवृद्धि के प्रयोजन को कार्यान्वित करने तथा सम्पत्ति के समुचित प्रबन्ध के लिये उसका भुगतान प्रशासक द्वारा हस्ताक्षरित चेकों से किया जायेगा। प्रशासक चेकों को हस्ताक्षरित करने की शक्ति समिति के किसी सदस्य को प्रतिनिधायन कर सकता है।

(18) प्रशासक -

- (क) उक्त सम्पत्ति के कारण कमशः प्राप्त हुयी और भुगतान की गयी समस्त धनराशि का पूर्ण और यथार्थ लेखा अपने द्वारा रखी गयी पुस्तिकाओं में दर्ज करेगा या करायेगा;
- (ख) माँग किये जाने पर ऐसे लोक सेवक को, जिसे राज्य सरकार समय-समय पर निर्देश दे, इन लेखों का सार और उक्त सम्पत्ति के प्रबन्ध से सम्बद्ध अन्य विषयों की ऐसी विवरणियाँ, जिन्हें राज्य सरकार समय-समय पर अपेक्षा करना उचित समझे, प्रत्येक वर्ष प्रस्तुत करेगा; और
- (ग) समिति की सभी बैठकों की कार्यवाहियों का यथार्थ और ठीक-ठीक अभिलेख रखेगा।

(19) किसी विशिष्ट प्रयोजन के लिये प्रशासक को दिये गये या उसके द्वारा प्राप्त सभी दान और सम्पत्ति की अन्य आय, केवल उक्त प्रयोजन के लिये ही विनियोजित की जायेगी।

(20) वाह्य संस्थाओं से चैरिटी का कम्प्लेमेन्ट रखा जायेगा। उत्तराखण्ड में स्थित अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संस्थाओं से इसमें योगदान के लिये प्रयास किये जायेंगे तथा इसका प्राविधान किया जायेगा।

(21) निजी संस्थाओं द्वारा संचालित संस्थाओं के प्रशिक्षकों को शुल्क सहित शोध एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से आय सृजन के स्रोत विकसित किये जायेंगे।

(22) उच्च स्तरीय सेवाएँ प्रदान किये जाने हेतु आल इंडिया इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्स (एम्स), देहली एवं पी0जी0आई0, चंडीगढ़ के कुशल कोर-स्टाफ को आर्कषित किये जाने के प्रयास किये जाय।

(23) सम्पत्ति से हुयी और व्यय न की गयी आय संचित होने दी जायेगी और जब पर्याप्त धनराशि संचित हो जाये तो इस प्रकार संचित धनराशि कोषपाल, पूर्वविन्यास, उत्तराखण्ड में मूल विन्यास में वृद्धि के रूप में निहित की जायेगी।


(24) उपयुक्त सम्पत्ति का पूरा प्रबन्ध, अधीक्षण और शासन उक्त प्रशासक के हाथ में होगा, जो महात्मा गाँधी शताब्दी नेत्र विकिर्ता विज्ञान केन्द्र, देहरादून नामक संस्था के किन्हीं कर्मचारियों को, यथास्थिति, नियुक्त कर सकता है, पदच्युत कर सकता है, हटा सकता है या निलम्बित कर सकता है या अनुपस्थित रहने के लिये छुट्टी भी दे सकता है परन्तु यथा आवश्यकता संविदा पर कार्मिकों को तैनाती एवं उनके मानदेय निर्धारण के विषय पर परामर्शी समिति का अनुमोदन अपेक्षित होगा।

(25) प्रशाराक ऐसी निधियां प्रचिष्ट करेगा, जो महात्मा गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सा विज्ञान केंद्र देहरादून नामक संस्था के लिये आवश्यक हो, और उसके अनुरक्षण और कार्य संचालन के लिये अपेक्षित हो, और अन्य समस्त विषयों में, जिनकी एतदपूर्व स्पष्ट व्यवस्था न की गयी हो, प्रशाराक को ऐसी निर्देश और आदेश देने का पूर्ण अधिकार होगा, जिनकी अपेक्षा हो।

(26) प्रशासक समय-समय पर ऐसे विनियम, जो इस योजना से असंगत न हों और जो सम्पत्ति के अधिक अच्छे प्रबन्ध को विनियमित करने के लिये आवश्यक हों, बनाने और उसमें परिवर्तन या संशोधन करने के लिये प्राधिकृत होगा और एतद्वारा उसे प्राधिकृत किया जाता है। यह प्रतिवर्ष अगले वर्ष के लिये आय-व्ययक तैयार करेगा और लेखों की लेखा परीक्षा का और उनके प्रकाशन का और वर्ष पर्यन्त अपने नियंत्रणाधीन सम्पूर्ण संस्था की कार्यप्रणाली के प्रतिवेदन को प्रकाशित कराने का प्रबन्ध करेगा।

आज्ञा से,

Adm -

(केशव देसिराजु) 22   
प्रमुख सचिव।



In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No- 1310 / XXVIII-5-2007-119/2002 Dehradun dated ...03...November, 2008 for general information:

Government of Uttarakhand

Medical Section-5

No-1310 /XXVIII-5-2007-119/2002

Dehradun Dated 03 November 2008

NOTIFICATION

In pursuance of the provisions of section 6 of the Charitable Endowments Act, 1890 (Act No. 06 of 1890) read with section 4 of the Uttar Pradesh Charitable Endowments (Extension of Power) Act, 1950 (U.P. Act No. 20 of 1950), (as applicable to the State of Uttarakhand) the Governor is pleased to direct that the following draft of Scheme, which he proposes to settle under section 5 of the Charitable Endowments Act 1890, (Act no 06 of 1890), for administration of such property of the Gandhi Shatabdi Eye Hospital, 2-C, Preetam Road, Dehradun which has been vested in the Treasurer of Charitable Endowment, Uttarakhand under section 4 of the said Act, be published in the Gazette for the information of persons or interest holders likely to be affected thereby.

2. All objections and suggestions with regard to the proposed Scheme of Administration may be addressed and sent in writing to the Principal Secretary/Secretary Government of Uttarakhand, Medical Section-5, Subhash Road, Dehradun. Only those objections and suggestions, which are received before 15-11-2008, shall be taken into consideration.

SCHEME

(1) The Gandhi Shatabdi Eye Hospital, Dehradun, running by the District Eye Relief Society, Dehradun, will be developed in state level super specialist eye care treatment centre and will be known as "Mahatma Gandhi Shatabdi Ophthalmic Sciences Centre, Dehradun".

(2) The property held in trust, for ophthalmic care, for the Gandhi Shatabdi Eye Hospital, Dehradun, running by the District Eye Relief Society, Dehradun, now vested in the Treasurer, Charitable Endowments, Uttarakhand, under section 4 of the Charitable Endowments Act, 1890 (Act no. 06 of 1890) read with section 4 of the Uttar Pradesh Charitable Endowments (Extension of Powers) Act, 1950 (U.P. Act no. 20 of 1950), (as applicable to the State of Uttarakhand), shall be administered by an Administrator, who shall be the Director General, Medical Health & Family Welfare, Uttarakhand, Dehradun.

(3) The Administrator will be assisted in the discharge of his duties and functions by an Executive Officer, who shall be nominated by him, and to whom the Administrator may delegate certain or any of his powers for the efficient discharge of his duties and functions.

(4) There shall be an Advisory Committee, the functions of which shall be to examine the matters referred to it by the Administrator and tender its advice on such matters to the Administrator. The said committee shall consist of the following members, to be appointed by the State Government :-

(i)	Principal Secretary/Secretary, Medical Health and Family Welfare, Government of Uttarakhand, Dehradun.	Ex-Officio Chairman
(ii)	Principal Secretary/Secretary, Finance, Government of Uttarakhand, Dehradun	Ex-Officio Member
(iii)	Senior Eye Specialist, Doon Hospital, Dehradun	Member-Secretary
(iv)	Three Senior Eye Specialists in different Specialties of Dr. Rajendra Prasad Centre for Ophthalmic Sciences, AIIMS, New Delhi	Member
(v)	Senior Eye Specialist of PGI, MER, Chandigarh.	Member
(vi)	District Magistrate, Dehradun.	Member
(vii)	Shri Kunwar Brij Bhushan, Member, District Eye Relief Society, Dehradun.	Member
(viii)	Director, NIVH (National Institute of Visually Handicapped), Dehradun	Member
Note:	Government of Uttarakhand shall nominate other non-government Members of the Committee.	

(5) The Administrator shall refer all important matters regarding the management and the governance of the property other than those matters of emergent nature, which call for immediate action, to the committee for advice.

(6) The Administrator shall implement the recommendations or advice of the Committee after taking into consideration with due regard but in the different circumstances, the decision of the Administrator shall be final.

(7) The members of the Committee including the Chairman, except the ex-officio members, shall hold office for a period of one year from the date of the publication of the finally settled Scheme, provided that they shall continue to function even after the expiry of this period of one year till their successors are appointed by the State Government.

(8) The State Government shall have right to terminate the membership of any member of the Committee, including the Chairman or the Secretary, subject to the condition that before such termination, the concerned member shall be given reasonable opportunity to show cause against the proposed action.

(9) The casual vacancies, accruing in the membership of the Committee due to the termination of the membership or death or resignation of any of its member, shall be filled up by the State Government.

(10) No proceeding of the Committee shall be invalid on the ground that any vacancy in the membership of the Committee has been remaining unfilled.

(11) The Committee shall meet as many times as may be necessary and shall definitely meet at least once in three months, on such dates and at such place as the Secretary, in consultation with the Chairman, may appoint.

(12)- A meeting of the Committee shall be convened by the Secretary on seven day's notice to be sent to all its members through special messenger or by registered post. Three members, including the office bearers of the Committee, shall form the quorum for a meeting of the Committee provided



that, in case a meeting is adjourned for want of quorum, no quorum shall be required for such adjourned meeting.

(13) The Chairman of the Committee shall preside over the meetings of the Committee and in his absence, the present members shall elect one of themselves to preside over the meeting.

(14) All matters coming before the Committee shall be decided by a majority of the votes of the members present, and in the case of equality of votes, the Chairman of the meeting shall have a casting vote.

(15) The Administrator can constitute an Executive Committee to look after the day-to-day management of the Mahatma Gandhi Shatabdi Ophthalmic Sciences Centre, Dehradun. The above Committee will monitor and inspect the developmental works of Mahatma Gandhi Shatabdi Ophthalmic Sciences Centre, Dehradun that owns the investment-received from various sources. The Administrator will decide the number & tenure of its members. Executive-committee may be constituted as given below:-

(i)	Director General, Medical Health & Family Welfare Directorate, Uttarakhand, Dehradun	Chairman
(ii)	Chief Medical Superintendent, Doon Hospital Dehradun.	Member
(iii)	Chief Treasury Officer, Dehradun	Secretary
(iv)	Senior Most PMS Eye Surgeon of Dehradun, nominated by Chairman.	Member
(v)	Sh. Vipin Naglia, Representative of District Eye Relief Society, 13-Tyagi Road, Dehradun.	Member

(16) The Treasurer of the Charitable Endowments, Uttarakhand, shall remit the income of the aforesaid property, which vested in him, to the Administrator.

(17) All money received by the Administrator shall be deposited in the branch of any Nationalized Bank at Dehradun to the credit of the Mahatma Gandhi Shatabdi Ophthalmic Sciences Centre, Dehradun, and shall be disbursed by cheques to be signed by the Administrator to give effect to the purpose of ophthalmic care and for the proper administration of the property. Administrator may delegate its power of signing of the cheques to any members of the Committee.

(18) The Administrator shall-

- (a) enter or cause to be entered in books to be kept by him the full and true accounts of all money received and paid respectively on account of the said property;
- (b) on demand, submit annually to such public servant as the State Government may, from time to time direct, an abstract of these accounts and such returns of other matters relating to the administration of the said property, as the State Government may, from time to time, deem fit to require; and
- (c) keep true and exact records of the proceedings of all the meetings of the Committee.

(19) All donations and other income of the property, given to or received by the Administrator for any specific purpose, shall be appropriated to the said purpose only.

(20) A provision of charity component from outside institutions shall be made. Efforts shall be made for contribution from International / National institutions, situated in Uttarakhand and the provisions for the same shall be made accordingly.

(21) The source of income generation shall be created by means of provisions for research and practical training to trainees of Institutions, conducted by the private institutions on payment basis.

(22) An efforts shall be made for providing high quality services by attracting skilled core staff from All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Delhi, and PGI, Chandigarh.

(23) The unspent income from the property shall be allowed to accumulate and when a sufficient amount has accumulated, the amounts so accumulated shall be vested in the Treasurer, Charitable Endowments, Uttarakhand, as an addition to the original endowment.

(24) The entire management, superintendence and governance of the aforesaid property shall be in the hands of the said Administrator, who may also appoint, dismiss, remove or suspend, as the case may be, or grant leave of absence to employees of the Mahatma Gandhi Shatabdi Ophthalmic Sciences Centre, Dehradun, provided that the recommendation of the Advisory Committee shall be required for the purpose of posting of employees on contract and for fixing their honorarium, as and when necessary.

(25) The Administrator shall allot such funds, as may be necessary, for the Mahatma Gandhi Shatabdi Ophthalmic Sciences Centre, Dehradun and required for the maintenance and working thereof, and in all other matters, herein before not expressly provided for, the Administrator shall have full powers to give such directions and orders as may be required.

(26) The Administrator shall be and is hereby authorized to frame from time to time, such regulations which are not inconsistent with this Scheme and as may be necessary to regulate the better management of the property and to alter or amend the same. He shall every year prepare a budget for the next year, and arrange for audit and publication of the accounts and of a report of the working of the entire Institution under his control during the year.

By Order,

(Keshav Desiraju)

Principal Secretary